हिन्दी Hindi Class 11 Important Question Chapter 1 ईदगाह

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

1. ईद कब मनाई जाती है?

उत्तर: ईद रमजान के 1 महीने तक रोजे रखने (यानी 30 रोजे) के बाद मनाते है।

2. हामिद मेले के लिए कितने आने मिले थे?

उत्तर: मेले में जाने के लिए हामिद को तीन आने मिले थे।

3. दुकानदार ने चिमटे का मूल्य कितने आने बताया था?

उत्तर: दुकानदार ने चिमटे का मूल्य पाँच आने बताया था।

4. गांव वाले मेले से घर कब आए?

उत्तर: गाँव वाले मेला देखने के पश्चात 11 बजे के लगभग घर पहुंचे।

5. सम्मी की खँजरी कितने आने की थी?

उत्तर: सम्मी की खँजरी 2 आने की आई थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

1. "तुम्हारे चिमटे का मुँह रोज़ आग में जलेगा" के जवाब में हामिद ने क्या कहा?

उत्तर: "तुम्हारे चिमटे का मुँह रोज़ आग में जलेगा" के जवाब में हामिद ने कहा–आग में बहादुर ही कूदते हैं जनाब। तुम्हारे यह वकील, सिपाही और भिश्ती लैडियों की तरह घर में घुस जाएंगे। आग में कूदना वह काम है, जो यह रूस्तमे-हिन्द ही कर सकता है।हामिद का यह जवाब सही था। हामिद ने चिमटा लिया था जो कि आग में कूदकर रुस्तमे हिन्द के रूप में लोगों की जान बचाने का कार्य करता है।

2. क्लब–घर में क्या होता था?

उत्तर: क्लब घर में जादू किया जाता था। वहां पर अलग अलग तरीके के जादू होते थे। वहां ऐसा जादू किया जाता था जिससे मुर्दों की खोपड़ी भागती थी। वहां पर अलग अलग तरीके के करतब व तमाशे दिखाए जाते थे परंतु अंदर जाने की मनाही थी। शाम के समय वहां पर साहब लोग क्रिकेट खेला करते थे।

3. बैट पकड़ने वाली बात किस संदर्भ में की गई है?

उत्तर: शाम के समय वहां पर साहब लोग क्रिकेट खेला करते थे। बैट की बात क्रिकेट के बारे में की है। लेकिन लड़के बैट पकड़ने वाली बात को शारीरिक क्षमता के हिसाब से ले रहे थे।

https://www.evidyarthi.in/

4. जिन्नात क्या-क्या कारनामे कर सकता था?

उत्तर: जिन्नात शरीर में विशाल था। वह बहुत बड़ा था। वह यदि ज़मीन पर खड़ा होता तो उसका शरीर आसमान तक को छूता था। लेकिन अगर उसकी जब भी इच्छा होती तब वह छोटे से लोटे में वापस जा सकता था। उसके कारनामे चौकाने वाले थे। वह 1 क्षण में चुटकी से पता लगा सकता था की चोरी किया गया सामान किसके पास है।

5. चौधरी साहब कौन थे? क्या करते थे?

उत्तर: चौधरी साहब जानेमाने आदमी थे वह अपने कार्य के लिए मशहूर थे। वह चोर व चोर द्वारा की गई चोरी का सामान पता लगाने के लिए जिन्नात को अपने कब्जे में रखते थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

1. हामिद ने खँजरी की उपेक्षा में क्या कहा?

उत्तर: हामिद ने खँजरी की उपेक्षा में सम्मी से यह कहा कि तुम्हारी खँजरी बहुत कमजोर है। मेरा चिमटा बहुत मजबूत है। मेरा चिमटा तुम्हारी खँजरी को फाड़ सकता है। खँजरी में तो सिर्फ चमड़े को लगाकर बना दिया और बस वह ढब ढब बज रही है। यदि इसपर पानी गिरा दिया जाए तो यह पूरी तरह से खराब हो जाएगी। मेरा चिमटा बहुत मजबूत,शक्तिशाली व बहादुर है जो आग में,आंधी में,तूफ़ान में, पानी में भी लड़ेगा। हार नही मानेगा।

2. मोहसीन ने कॉन्स्टेबल के बारे में क्या प्रतिवाद किया?

उत्तर: मोहसिन ने कॉन्स्टेबल के बारे में प्रतिपाद किया कि कांस्टेबल पहरा नहीं देते। यह लोगों को बेवकूफ बनाते हैं। कॉन्स्टेबल चोरों से मिले रहते हैं और चोरों से मिलकर चोरी कराते हैं। यह लोग चारों के साथ मिलकर चोरों की चोरी में मदद करते हैं। चोरों को कहते है तुम चोरी कर लो और खुद दूसरे मोहल्ले में जाकर पेहरा देते हैं।

3. ईदगाह संचालन और व्यवस्था के बारे में बताइए।

उत्तर: लेखक ने ईदगाह संचालन और व्यवस्था को खूबसूरत व व्यवस्थित कहा। इमली के घने वृक्षों की छाया ईदगाह में थी। ईदगाह में जमीन पर पक्का फर्श और जाजिम बिछा रखा था। पंक्तियों में कई लोग चल रहे थे जिन्होंने रोजे रखे हुए थे एक के पीछे एक, पूरी लंबी कतार थी। कतार इतनी लंबी थी कि पक्के जगत के नीचे तक जा रही थी जहां पर जाजिम तक बिछा नहीं हुआ था। लाइन इतनी लंबी थी कि नए लोग भी आकर लग जाते और कतार लंबी होती जा रही थी। यहां कोई अमीरी–गरीबी नहीं देखी जा रही थी सब समान थे। गांव वाले भी आकर पीछे की लाइन में खड़े हो गए। यह व्यवस्था एकदम संचालित व व्यवस्थित थी इसलिए लेखक ने इसे सुंदर व्यवस्था कहा है।

4. ईद पर गांव के परिवेश में किस खास तरीके के उल्लास का जिक्र प्रेमचंद जी ने किया है?

उत्तर: ईद पर गांव का परिवेश उल्लास से भरा था। रमजान के 1 महीने के रोजों के बाद ईद आई और सुबह इतनी लुभा देने वाली है सुबह मनोहर और उल्लास से भरी है। गांव बहुत हरा भरा लग रहा था। वृक्षों पर अजीब सी हरियाली आ रही है। सूर्य इतना सुंदर दिख रहा है प्यारा और शीतल। जैसे पूरी दुनिया को ईद की बधाई दे

https://www.evidyarthi.in/

रहा हो। लोग ईदगाह जाने के लिए तैयार हो रहे हैं। बैलों को खाना पानी दे रहे हैं। लोग अपने कामों को पूरा कर रहे हैं ताकि जल्दी से ईदगाह जा पाए।

5. जब शास्त्रार्थ हो रहा था तो हामिद ने क्या कहा?

उत्तर: जब शास्त्रार्थ हो रहा था तो हामिद ने अपने चिमटे के बारे में कहा सब अपने-अपने खेलने के लिए खरीदे गए खिलौने की तारीफ कर रहे थे वह एक दूसरे से वाद-विवाद कर रहे थे तब हामिद ने अपने चिमटे की बड़ाई करते हुए कहा सब के खिलौने कमजोर है। एक और मिट्टी है, एक और लोहा जो इस वक्त खुद को फौलाद कह रहा है। अगर यहां पर शेर आ जाए तो मियां भिश्ती के छक्के छूट जाएंगे, मियां सिपाही मिट्टी की बंदूक छोड़ कर भाग जाएंगे,वकील साहब की नानी मर जाएगी और वह चोगे में मुंह छुपा कर जमीन पर लेट जाएंगे। मेरा चिमटा किसी से नहीं डरता। वह शेर को मार देगा और उसकी आंखें निकाल लेगा यह रुस्तमें–हिंद है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

1. "भातृत्व का एक सूत्र समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए है।" इस कथन का भाव स्पष्ट करिए।

उत्तर: "भातृत्व का एक सूत्र समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए है।" ईदगाह पर लोग नमाज अदा करने जाते तो सभी लोग एक साथ नमाज अदा करते वक्त सजदे में सिर झुकाते थे सब लोग एक साथ खड़े हो जाते और एक साथ घुटनों के बल बैठ जाते। इसी प्रक्रिया को बहुत बार दोहराया जाता सकता। ऐसा लगता है जैसे बिजली की लाखों बत्तियां 1 साथ जल रही है और बुझ रही हैं। यही चलता रहता है। लेखक इस दृश्य को देख कर आनंदित हो जाते थे। इसे देखकर लेखक श्रद्धा और खुशी होती है। इस दृश्य को देखकर एकता की झलक दिखती है। प्रतीत होता है कि सभी लोग की श्रद्धा कितनी मजबूत है। इस दृश्य को देखकर खुशी मिलती है।

2. चिमटे को मूल्यवान सिद्ध करने के लिए हामिद ने कौन-कौन से तर्क दिए थे

उत्तर: चिमटे को मूल्यवान सिद्ध करने के लिए हामिद ने कई प्रकार के तर्क दिए। हामिद ने अपने मित्रों से कहा कि मेरे चिमटे का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। हामिद ने खँजरी की उपेक्षा में सम्मी से यह कहा कि तुम्हारी खँजरी बहुत कमजोर है। मेरा चिमटा बहुत मजबूत है। मेरा चिमटा तुम्हारी खँजरी को फाड़ सकता है। खँजरी में तो सिर्फ चमड़े को लगाकर बना दिया और बस वह ढब ढब बज रही है। यदि इसपर पानी गिरा दिया जाए तो यह पूरी तरह से खराब हो जाएगी। मेरा चिमटा बहुत मजबूत,शक्तिशाली व बहादुर है जो आग में,आंधी में,तूफ़ान में, पानी में भी लड़ेगा। हार नही मानेगा। मेरा चिमटा बहुत शक्तिशाली है।इसको मैं कंधे पर रख लूं तो बंदूक बन जाए , हाथ में रखूं तो फकीरों का मजीरा और अगर तुम्हारे खिलौनों पर मैंने अपना चिमटा मारा तो सारे खिलौने टूट जाएंगे सबकी जान निकल जाएगी। चिमटा उपयोगी है बहुत इसको जान बचाने के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। तुम्हारे खिलौने एकदम बेकार है।

3. "हामिद ने बूढ़े हामिद पार्ट खेला था।" लेखक ने यह बात किस संदर्भ में कहा है? स्पष्ट करें।

उत्तर: हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था। उसने अपनी दादी मां के लिए चिमटा खरीदा। मेले से घर आकर अपनी दादी को चिमटा दिखाता है। दादी अमीना छाती पीटकर उसे डांटती है। उसे बेवकूफ कहती है। कहती है कि तू ने दोपहर से कुछ नहीं खाया ना पिया और लाया क्या चिमटा। इतने बड़े मेले में तुझे मिठाई या कुछ और खाने का सामान नहीं मिला,यही मिला लोहे का चिमटा ले आया। हामिद ने कहा कि आपकी उंगलियां जल जाती थी इसलिए मैंने चिमटा ले लिया बुढ़िया का क्रोध एकदम शांत हो गया और क्रोध स्नेह व प्रेम में बदल गया।

https://www.evidyarthi.in/

दूसरे बच्चों ने खेलने के लिए खिलौने लिए मिठाइयां ली हामिद ने किसी के जले हुए हाथ बचाने के लिए चिमटा लिया। हामिद एक बेसमझ बच्चा नहीं बल्कि एक समझदार और जिम्मेदारी वाला व्यक्ति है जो अपने कंधों पर सभी परेशानियों को उठा सकता है। वह पूरे परिवार को संभाल सकता है, उसने चिमटा खरीद कर एक बूढ़े व्यक्ति की भूमिका निभाई।

4. मुंशी प्रेमचंद के जीवन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर:

जीवन परिचय– मुंशी प्रेमचंद

जन्म–प्रेमचंद्र का जन्म सन 1880 में वाराणसी जिले के लम्ही नामक ग्राम में हुआ ।

जब वह छोटे थे उनको धनपतराय के नाम से पुकारते थे।

शिक्षा–वे मैट्रिक के बाद अध्यापक बने।

योगदान–असहयोग आंदोलन के दौरान उन्हें में बहुत योगदान दिया उन्होंने अपनी सरकारी नौकरी से छोड़ दी। केवल लेखन कार्य किया।

लेखन का आरंभ–अपने लेखन का आरंभ उर्दू में नवाबराय के नाम से किया और बाद में हिंदी में लिखा। उन्होंने अपने लेखन में कमजोर लोगों के लिए आवाज उठाई है। उन्होंने गरीबों के लिए, दलितों के लिए,नारियों के लिए किसानों के लिए उनकी परेशानियों को और वर्ण व्यवस्था के खिलाफ लिखा है।उनकी रचनाओं में राष्ट्रीय भावना का दर्शन होता है।

प्रमुख कृतियां–मानसरोवर, गुप्तधन; निर्मला, सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कर्मभूमि आदि है।

भाषा–उनकी एकदम सजीव, बोलचाल में समझ में आने वाली, व मुहावरेदार है। हिंदी भाषा की लोकप्रियता में इनका महत्वपूर्ण सहयोग है।

मृत्यु– सन् 1936 में हुई।

5. गाँव वाले शहर देखकर चकित थे। प्रेमचंद ने इसका वर्णन कैसे किया है?

उत्तर: गाँव वाले शहर देखकर चकित थे। प्रेमचंद ने इसका वर्णन किया है कि जब गांव वाले गांव से शहर की ओर निकले, वे ईदगाह जाने के लिए शहर तक पहुंचे। वहां बहुत सुंदर व्यवस्था थी। सड़को पर दोनों तरफ बगीचे है। दीवारें पक्की बनी हुई है। यहां अदालत है,कॉलेज है,क्लब घर है और बड़ी-बड़ी इमारतें बनी हुई है। यहां पर अमीर अमीर लोग रहते हैं यहां पर लोगों ने बढ़िया से बढ़िया कपड़े पहने हुए हैं। कोई रिक्शा में है,कोई मोटर पर है, तो कोई इत्र लगाकर घूम रहा है,सभी खुश है। गांव वाले शहर का यह दृश्य देखकर चकित रह गए। शहर में अच्छी-अच्छी चीजें मिल रहे हैं,बच्चों को यह बहुत आकर्षित कर रहे हैं। गांव वालो के लिए यह सब अलग ही है। उन्होंने कभी भी ऐसा कुछ नहीं देखा था उनको यह बहुत आकर्षित कर रहा है वह खुशी दे रहा है।

https://www.evidyarthi.in/